



Himachal Pradesh
Forest Department

आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
मशरूम और आचार बनाना
2022



मशरूम बनाना



“जय माँ नैना देवी स्वयं सहायता समूह”

स्वयं सहायता समूह का नाम	:	“जय माँ नैना देवी “ स्वयं सहायता समूह कुड़ी
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	:	कुड़ी
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	सदर
डीएमयू/वन मंडल का नाम	:	बिलासपुर
एफसीसीयू / सर्कल	:	बिलासपुर
हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित	:	द्वारा तैयार:- डीएमयू बिलासपुर, एफटीयू सदर और “जय माँ नैना देवी” स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

विवरण	पृष्ठ
परिचय	3-4
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समूह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	6
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	7
उत्पादन प्रक्रियाएं	7
उत्पादन योजना का विवरण	8-9
विपणन / बिक्री का विवरण	9-10
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
स्वोट अनालिसिस	10
संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय।	10
परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण	11-16
अर्थशास्त्र का सारांश	17
लाभ लागत विश्लेषण	17-18
निधियों के संसाधन और निधि की आवश्यकता	18
ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	19
ऋण चुकौती अनुसूची (10% ब्याज) पर	19
टिपणी	19-20
व्यवसाय योजनाआचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन	20
कार्यकारी सारांश	20
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	20-21
उत्पादन योजना का विवरण	21
कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन	21
मार्केटिंग/बिक्री का विवरण	22
स्वोट विश्लेषण	22-23
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	23
अर्थशास्त्र का विवरण	23-25
वित् आवश्यकता	25
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	26
ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	26
निगरानी विधि	26
परियोजना की कुल लागत	27
अनुलग्नक	28



परिचय

कुड़ी गाव भारत के हिमाचल प्रदेश मई बिलासपुर जिले कि तहसील के बिलासपुर मई स्थित है । यह बिलासपुर से 30 किलोमीटर दूर स्थित है । हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिक तंत्र प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण, आजीविका सुधार समर्थन और संस्थागत को मजबूत करके परियोजना क्षेत्र मई पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास में योगदान मिलता है

वी एफ डी एफ क्षेत्र का स्थान:-

इस सूक्ष्म योजना के विशेष क्षेत्र में 3 वार्ड, वार्ड संख्या-1 और वार्ड 2 संख्या शामिल है । यह क्षेत्र जिला मुख्यालय बिलासपुर से लगभग 30 किलोमीटर दूर है एजेंसी द्वारा किये गए सर्वेक्षण के अनुसार कुड़ी मैक्रोप्लान में कुल परिवार 946 है । जिनमें पुरुष और महिलाये 739 और बच्चे 207 है ।

वन और अन्य कार्यालयों से दूरी :

कुड़ी वी एफ डी एफ सदर वन रेंज से लगभग 30 किलोमीटर दूर है vfds कुड़ी कन्दौर और घागस के बीच में पड़ता है, और कुड़ी से शिमला 80 किलोमीटर पड़ता है और वही से कुल्लू और मनाली जाने के लिए भी रास्ता स्थित है

वार्ड कि महत्वपूर्ण विशेषता:-

कुड़ी बिलासपुर शहर के नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं पर है । वन और महत्वपूर्ण

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू, शिमला, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले बिलासपुर जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशः उत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और गेहूं व मक्की की खेती के किये प्रसिद्ध है

बिलासपुर शहर गोविन्द सागर झील के तट पर स्थित है, बिलासपुर के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

,"जय माँ नैना देवी " ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, "जय माँ नैना देवी " सहायता समूह, मशरूमकी खेती एवं आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धनसे संबंधित है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने मशरूम का उत्पादन करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर स्थित बिलासपुर द्वारा प्रदान किए गए थे। कार्यालय वनमंडल बिलासपुर, मधु फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर मार्कंड परिक्षेत्र, श्रीअक्षय आचार्य वन रक्षक, कुड्डी बीट और वनखंड अधिकारी, वन खंड बिलासपुर शामिल रहे।

कार्यकारी सारांश

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

यह गाँव बिलासपुर जिले और मंडी जिले कि सीमा है। मंडी जिला सुंदरनगर इस स्थान की और पूर्व मई है साथ ही यह अन्य जिले हमीरपुर की सीमा मई है।

परिवार	अनुसूचित जन जाति	अनुसूचित जन जाति	अन्य पिछला वर्ग	सामान्य	कुल
एचएच की संख्या	18	84	3	117	222
एचएच का %	8.11%	37.84%	1.36%	52.71%	100%

स्वयं सहायता समूह का विवरण

“जय माँ नैना देवी “ स्वयं सहायता समूह का गठन मार्च 2021 में वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग

के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं

“जय माँ नैना देवी” स्वयं सहायता समूह महिला समूह (15 महिला को पूरा करने के लिए उन्होंने “मशरूम बनानेका फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 15 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-.

फोटो के साथ स्वयं सहायता समूह सदस्यों का विवरण

क्र.स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	कमला देवी	प्रधान	SC	49	+2th	62309-43845
2.	पवना देवी	सचिव	SC	28	+2th	94593-25096
3.	अंजना कुमारी	कोषाध्यक्ष	OBC	34	+2th	95165-91488
4.	मीरा देवी	सदस्य	OBC	47	8th	98574-13813
5.	रीता देवी	सदस्य	SC	32	8th	78762-99877
6.	आगा देवी	सदस्य	gand	42	10th	70185-14883
7.	निर्मला देवी	सदस्य	SC	38	+2th	62305-65196 M.Ed/Arts
8.	आशा देवी	सदस्य	SC	50	5th	82639-71940
9.	रमा देवी	सदस्य	SC	24	+2	94593-25096
10.	किरण देवी	"	SC	31	10th	98827-23574
11.	कान्ना देवी	"	SC	47	10th	98052-99800
12.	सीमा देवी	"	SC	35	10th	86969-09863
13.	सुप्रता देवी	"	gand SC	26	+2	70188-98825
14.	मिशा देवी	"	SC	26	10th	निर्मला देवी 98821-6025
15.	जय देई	"	SC	42	8th	94596-36318
16.						



कमला देवी (प्रधान)



मेवना देवी (सवित्री)



अंजना भुवार्गे कौण्डर्य



गीता देवी



रीता देवी



अंजला देवी



निर्मला देवी



अंशु देवी



रुमा देवी



किरण



कान्ता



सीमा



शुमन



जीष्ठा



जय देई

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	“जय माँ नैना देवी” स्वयं सहायता समूह
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	कुड़ी
परिक्षेत्र	::	सदर
वन मण्डल	::	बिलासपुर
गांव	::	कुड़ी
खंड	::	सदर
ज़िला	::	बिलासपुर
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	15
गठन की तिथि	::	12/3/2021
बैंक का नाम और विवरण	::	हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक बिलासपुर हिमाचल प्रदेश
बैंक खाता संख्या	::	40123642055
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.100/-माह
कुल बचत	::	हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	30,484 /-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूरी	:	30किमी
मुख्य मार्ग से दूरी	:	1 (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक)
	:	लगभग
स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	:	बिलासपुर 30किमी।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	:	बिलासपुर 30, ब्रह्मपुर 10किमी।
	:	
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	:	ब्रह्मपुर, बिलासपुर
पिछली और अग्रिम कड़ियों की स्थिति	:	पिछलीकड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) कंपोस्ट बैग स्पैन (बागवानी विभाग) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	समूह नियंत्रित वातावरण में बटन मशरूम और ढींगरीके उत्पादन में शामिल होगा
उत्पाद पहचान की विधि	::	यद्यपि पूरे समूह के सदस्य मौसमी सब्जियों की फसल उगाते हैं। क्योंकि उनकी भूमि जोत बहुत छोटी है, उत्पादन संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मशरूम की खेती एवं आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन से उनकी आय में वृद्धि होगी। इसके अलावा वे आमतौर पर अपनी सब्जी की फसल ब्रम्पुखर \बिलासपुर बाज़ार में बेचने जाते हैं। बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। उन्हें मशरूम के विपणन के लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन प्रक्रियाएं

बिलासपुर में जाईका परियोजना द्वारा मशरूम की खेती के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। स्पॉट प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण की पूरी लागत JICA परियोजना द्वारा वहन की जाती है।

समूह ने शुरू में बटन मशरूम उत्पादन के साथ काम शुरू करने का फैसला किया, क्योंकि फरवरी के दौरान प्रशिक्षण पूरा हो चुका है और मार्च के अप्रैल / मई, जून जुलाई के बाद के महीने इस मशरूम की खेती के लिए अधिक उपयुक्त हैं। 250 कम्पोस्ट स्पॉन एडेड बैग खरीदकर किराए/किराए के कमरे में लगाए जाएंगे।

श्री टियर वुडन/बांस रैक फिटिंग, साथ में दो एग्जॉस्ट फैन एक ताजी हवा के लिए और दूसरा नीचे की तरफ भीतरी हवा को बाहर निकालने के लिए लगाया जाएगा। एक सीलिंग फैन कमरे के तापमान को कम करने के लिए और दूसरा (हीट ब्लोअर) कमरे के तापमान को बढ़ाने के लिए, आवश्यक कमरे के तापमान को बनाए रखने के लिए हॉल में एक सूखा और गीला थर्मामीटर लगाया जाएगा। बैग लोड करने से पहले कमरे को फॉर्मलिन (5 मिली/लीटर) से दो से तीन बार धोया और साफ किया जाएगा। बटन मशरूम की दो फसलों और ढींगरी की दो फसलों (प्रत्येक के लिए 70 से 75 दिन चक्र) के साथ व्यवसाय योजना। (अगस्त से फरवरी बटन मशरूम के लिए और ढींगरी के लिए मार्च से जुलाई सबसे अच्छे महीने हैं) समूह के साथ विचार-विमर्श व सहभागिता के बाद तैयार किया गया है। समूह के सदस्य रोजाना 1 घंटे, सुबह आधा घंटा और शाम को आधा घंटा काम करेंगे।

उत्पादन योजना का विवरण:

उत्पादन चक्र (75 दिन)	::	<p>बिलासपुर जिले में बटन मशरूम की खेती सितंबर से मार्च तक की जा सकती है। कम्पोस्ट बैग में स्पॉन डालने के बाद मशरूम को पिनअप हेड आने में 30 से 40 दिन का समय लगता है। उसके बाद तीन फ्लश लिया जा सकता है। मशरूम की फसल के तीन फ्लश लेने के लिए कुल 75 दिनों की आवश्यकता होती है। एक फसल का उत्पादन चक्र 75 दिनों का होगा। एक वर्ष में फसल के चार चक्र नीचे दिए गए विवरण के अनुसार दोहराए जाएंगे:-</p> <p>ढिंगरीमशरूम की पहली फसल (फरवरी से अप्रैल तक = 75 दिनों के लिए)</p> <p>ढिंगरीमशरूम की दूसरी फसल (मई से जुलाई के अंत तक)।</p> <p>बटन मशरूम की तीसरी फसल(सितम्बर से नवंबर तक = 75 दिनोंके लिए</p> <p>बटन मशरूम की चौथी फसल(नवंबर से जनवरी = 75 दिनों के लिए</p>
जनशक्ति की आवश्यकता (संख्या)	::	<p>प्रारंभ में पूरा समूह रैंक लगाने/निर्माण करने, कमरे को साफ करने और कम्पोस्ट बैग को सड़क से उत्पादन स्थलों तक ले जाने के लिए मिलकर काम करेगा। इसके बाद पहले 30 दिनों के लिए 2 व्यक्ति 1 घंटे (1/2 घंटे सुबह और 1/2 घंटे शाम) के लिए बारी बारी से सफाई, नमी, तापमान विनियमन आदि के लिए काम करेंगे।</p> <p>अगले 31 से 75 दिनों के लिए 4 व्यक्ति 3 घंटे कटाई, मिट्टी की, पिंजरा, सफाई, तोल और पैकिंग के लिए।</p> <p>विपणन के घंटे शामिल नहीं हैं क्योंकि सदस्यों में से एक नियमित रूप से बाजार में सब्जियों के साथ मशरूम बेचेगा।</p> <p>कम्पोस्ट बनाने वाले 4 व्यक्ति 2 दिन 2 घंटे काम करेंगे।</p> <p>श्रम कार्य कुल 706 घंटे का होगा, यदि हम इसे 8 (घंटों) से विभाजित करें तो यह 88 दिन हो जाएगा और इसे 300रुपये / दिन की मजदूरी दर से गुणा करने पर श्रम की लागत 26400 रुपये निकलती है।</p>
कच्चे माल का स्रोत	::	<p>उद्यान विभाग, पालमपुर एवं सोलन जिला हिमाचल प्रदेश के। आमतौर पर सभी सामग्री सुंदरनगर केवीके में उपलब्ध होती है।</p>
अन्य का स्रोत साधन।	::	<p>-उपरोक्त-</p>

(i) बटन मशरूम के लिए आवश्यक मात्रा (75 दिन)	::	250 कम्पोस्ट स्पॉन बैग, फॉर्मलिन, 200 मिली, बाविसिटन 100 ग्राम, पैकिंग सामग्री (पॉलीथीन स्लीव्स) 3 किग्रा।
(ii) ढींगरी के एक चक्र के लिए आवश्यक मात्रा यानी 75 दिन		ढींगरी के लिए स्पॉन: 25 किलो, गेहूं या अन्य फसल का भूसा: 500 किलो, फॉर्मलाइन: 2 लीटर, बाविसिटन: 100 ग्राम, पॉलीथीन: 1 ढींगरी खाद के लिए 300 पारदर्शी पॉलीथीन बैग, पॉलीथीन आस्तीन 5 किलो (नए के लिए 3 किलो और फटे बैग के प्रतिस्थापन के लिए 2 किलो)
75 दिनों में अपेक्षित उत्पादन	::	ढींगरी :- कम्पोस्ट की एक बोरी से ढींगरी का औसत उत्पादन लगभग 1.6 किलोग्राम है। 250 बैग के लिए उपज 400 किलोग्राम ढींगरी होगी बटन मशरूम :- एक बैग से मशरूम का औसत उत्पादन 2.0 किग्रा /1 बैग = 2.0 किग्रा . है 250बैग x 2.0 किग्रा. = 500 किग्रा .

विपणन / बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान	::	बिलासपुर।
इकाई से दूरी	::	बिलासपुर 22 कि० लों०, नौनी 12 कि० लों०, बहर्म्पुखर 7 कि० लों०, जुखाला 3 कि० लों०, लगभग ।
बाजार में उत्पाद की मांग		मशरूम की मांग साल भर रहती है।
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	बिलासपुरमें सब्जी बेचने का बाजार सुस्थापित है ।
बाजार पर मौसम का प्रभाव।	::	मशरूम सभी मौसमों में स्वादिष्ट होते हैं और पूरे वर्ष उच्च मांग में रहते हैं। हालांकि, गर्मियों और शादी समारोहों के दौरान मांग अधिक बढ़ जाती है।
उत्पाद के संभावित खरीदार।	::	संभावित बाजार खरीदार अस्पताल, होटल, छात्रावास, दुकानें, स्थानीय निवासी / विवाह और अन्य औपचारिक अवसर आदि हैं।
क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता।	::	सभी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिक / परिवार।

उत्पाद का विपणन तंत्र।	::	बाजार में मांग के आधार पर मशरूम की दैनिक आपूर्ति और समूह स्थानीय सब्जियों के साथ-साथ बिलासपुर बाजार के खुले बाजार में भी इन्हें बेचेंगे।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति।	::	प्रारंभ में समूह बिलासपुर शहर के सभी सब्जी खुदरा विक्रेताओं से संपर्क करेगा, उसके बाद उत्पादन में वृद्धि पर, बिलासपुर बाजार के खुदरा विक्रेताओं से भी अपने उत्पाद को शुद्ध दर या कमीशन के आधार पर बेचने के लिए संपर्क किया जाएगा।
उत्पाद ब्रांडिंग।	::	"जय माँ नैना देवी"ताज़ा मशरूम"।
उत्पाद नारा	::	"मशरूम खाओ सेहत बनाओ।"

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेने के बाद स्वयं को दैनिक काम के संचालन, विपणन और विभाग तथा ग्रामीण वन विकास समिति के साथ जुड़ाव रखते हुए आपस में श्रम विभाजन करेंगे।

SWOT विश्लेषण

विवरण / आइटम	:	विवरण
ताकत	::	समूह के सभी सदस्य समान विचारधारा वाले, स्थानीय और सामाजिक वातावरण के अनुकूल होते हैं। उत्पादन लागत कम है, उत्पाद उच्च गुणवत्ता और मांग का है, बढ़ते चक्र कम हैं, उत्पादन पूरे वर्ष होगा। बागवानी विभाग के पास पालमपुर और सोलन में रेडीमेड कम्पोस्ट बैग उपलब्ध हैं। एसएचजी वित्तीय सहायता के लिए जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा प्रशिक्षण और एक्सपोजर का आयोजन किया जाएगा।
दुर्बलता	::	नया स्वयं सहायता समूह, मशरूम उत्पादन/खेती में अनुभव की कमी।
मौका	::	डिमांड ज्यादा है और रिटर्न ज्यादा।
खतरा	::	समूह में आंतरिक झगड़े, पारदर्शिता की कमी और बड़े खतरे वहन क्षमता की कमी

संभावित खतरों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय

संभावित जोखिम	:	उपाय करने के लिए कम करने के लिए उन्हें।
एक ही समय में हानिकारक संक्रमण उत्पाद को नष्ट कर सकते हैं	:	सबसे पहले हाथ धोकर साफ-सफाई रखनी है और पैरों को साबुन से लगाकर पहले फॉर्मलिन के घोल में डुबोएं कमरे में प्रवेश कर रहा है।
2. तापमान का रखरखाव और नियन्त्रण	:	केवल 2 से 3 व्यक्ति ही फुल किट (टोपी दस्ताने, एप्रन आदि) के साथ कमरे में प्रवेश करेंगे। फंगल अटैक से बचने के लिए नियमित स्प्रे करें। थर्मो मीटर की मदद से आवश्यक तापमानदिए गए उपकरणों के साथ बनाए रखा जाएगा।
3. बाजार संत्रिप्ता	:	मूल्य वर्धन के लिए सूखी मशरूम, मशरूम अचार, सूप और अन्य उत्पाद आदि तैयार किए जाएंगे।
समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता	:	कलह को मिटाने के लिए कारण को प्रारंभिक चरण में निपटाया जायेगा। समूह के सभी सदस्यों के लिए समान अनावरण, समान लाभ का बंटवारा, हर सदस्य को आदर और सम्मान देने की आवश्यकता।
बाज़ार	:	बाजार में हमेशा उतार-चढ़ाव होता है; मांग और आपूर्ति हमेशा भिन्न होती है। इसलिए सदस्य नए बाजारों और खरीदारों को खोजते रहें।
उत्पादन	:	बाजार के हिसाब से धीरे-धीरे उत्पादन को बढ़ाया जाएगा

परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण

पहला चक्र:

परियोजना की लागत	राशि रुमें
पूँजी लागत	
तीन टायर लकड़ी/बांस रैक फिटिंग का निर्माण	15,000
सीलिंग फैन(1 नहीं)	2500
निकास पंखे (2)	3000
रूम हीट/ब्लोअर/	1500
सूखा और गीला थर्मामीटर (1सेट)	1000
इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन (1no)	900
गर्म प्लास्टिक की छत की छड़ (1no)	800
हल्का स्प्रे पंप (1no)	1800
धारदार चाकू का सेट नं (1सेट)	75

कैंची, (2 न)	400
ट्रे/बास्केट (6 न)	600

फल टोकरा (4 न)।	2400
पानी की टंकियां 1000 लीटर 1नंबर किराये सहित	8000
पानी और बिजली फिटिंग सामग्री और शुल्क	4000
सुखाने की मशीन (Drier)	16000
पीशने की मशीन (Grinder)	10000
विविध व्यय	3000
कुल पूंजी लागत	70975
पहले चक्र की आवर्ती लागत (75 दिन)	
किराए के कमरे की लागत 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) @ रु। 1000/माह। (3माह) =	3,000
फॉर्मेलिन	600
श्रम मजदूरी 88 दिन=(@Rs 300/दिन)= रु 26400	26400
ढींगरी कम्पोस्ट बैग 250 न @ 40 रुपये प्रति बैग और अन्य कच्ची सामग्री किराए सहित	10000
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	3000
किराया	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	3000
विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)	1500
एक चक्र की आवर्ती लागत=B1+B2+B3+B4+B5+B6+B7+B8	48500
कुल परियोजना लागत (ए+बी)=70975+ 48500=119475	119475

लागत लाभ विश्लेषण प्रथम चक्र:-

विशेष	इकाई	मात्रा/नहीं	भाव	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास 10%	महीना	3	10%	1750
3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
किराए के कमरे की कीमत 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) @ रु.1000/माह। (3माह)	महीना	3	1000	3,000
प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	नहीं	2 बोतल	300	600

श्रम मजदूरी 88 दिन =(@ रु 300/दिन) = रु 26400	दिन	88	300	26400
ढींगरी खाद बैग 250 नहीं @ रु 40 प्रति बैग और गाडी सहित अन्य कच्चा माल	नहीं	250	40	10000
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	5	600	3000
यातायात भुगतान	-	-	-	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		एल/एस	-	1500
कुल				48500
कुल उत्पादन किग्रा.	ढींगरी खाद			400 किग्रा 500 किग्रा
किलो में उत्पादन की बिक्री।	ढींगरी 400 किलो @ 150 रुपये कम्पोस्ट 500 किग्रा @ 5			60000 2500
			कुल	62500
कुल लाभ	62500- (1750+48500)			12250
सकल लाभ	कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया 12250+(26400+3000)=			41650
लाभ आरक्षित की जाने वाली शुद्ध राशिकी दूसरी और तीसरी किस्त लौटाने के लिए राशी				14494
प्रथम चक्र में सदस्यों के बीच लाभ का वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री -(प्रधान राशि + ब्याज + दूसरी और तीसरी किस्तकी आवर्ती लागत) 62500- (18563 + 1437 + 48500 + 14494)				-20494

नोट :- 14494रु.की दूसरी और तीसरी किस्त के भुगतान हेतु आरक्षित रखा जायेगा ।

लागत लाभ विश्लेषण दूसरा चक्र

सीनियर नहीं	विशेष	इकाई	मात्रा/नहीं	भाव	राशि (रु.)
ए	पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास 10%	महीना	3	10%	1750
बी	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराए के कमरे की कीमत 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) @1000 रुपये/माह।(3 महीने)=	महीना	3	1000	3,000
2.	प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन	नहीं	2 बोतल	300	600

3.	श्रम मजदूरी 88 दिन =(@ रु 300/दिन) = रु 26400	दिन	88	300	26400
4.	ढींगरी खाद बैग 250 नहीं @ रु। 40 प्रति बैग और किराए सहित अन्य कच्चा माल	नहीं	250	40	10000
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	5	600	3000
6.	यातायात भुगतान	-	-	-	1000
7.	बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
	कुल				47000
9.	कुल उत्पादन किग्रा.	ढींगरी मशरूम खाद			400 किलो 500 किलो
10.	किलो में उत्पादन की बिक्री।	ढींगरी 400 किलो @ 150 रुपये कम्पोस्ट 500 किग्रा @ 5			60000 2500
				कुल	62500
11	कुल लाभ	62500 - (1750+47000)			19750
12.	सकल लाभ	कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया 13750 +(26400+3000) =			43150
13.	दूसरे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ के वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री - (मूल राशि + ब्याज + अगले चक्र के लिए आवर्ती लागत) =62500-(19032 + 968 +57300)				(-14800)

लागत लाभ विश्लेषण तीसरा चक्र

विशेष	इकाई	मात्रा/नहीं	भाव	राशि (रु.)
पूँजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास	महीना	3	10%	1750
3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
किराए के कमरे की लागत 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) @ रु 1000/माह। (तीन माह)	महीना	3	1000	3,000
प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	नहीं	2 बोतल	300	600
श्रम मजदूरी 88 दिन =(@ रु 300/दिन) = रु 24200	दिन	88	300	26400
बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 नं @ 90 रुपये प्रति बैग और अन्य कच्चा माल जिसमें गाड़ी भी शामिल है	नहीं	250	90	22,500

पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
यातायात भुगतान	-	-	-	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
कुल				58000
कुल उत्पादन किग्रा.	बटन मशरूम खाद			500 किग्रा 750 किग्रा
किलो में उत्पादन की बिक्री।	500 किलो @ 150 रुपये			75000
	कम्पोस्ट 750 किग्रा @ रु 10			7500
			कुल	82500
कुल लाभ	82500 -(1750+58000)			22750
सकल लाभ	कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया 22750+ (26400+3000) =			52150
तीसरे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ के वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री - (मूल राशि + ब्याज + आवर्ती लागत) 82500-(19405 + 489 + 58000)				4606

लागत लाभ विश्लेषण चौथे चक्र

विशेष	इकाई	मात्रा/नहीं	भाव	राशि (रु.)
पूँजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास	महीना	3	10%	1750
3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
किराए के कमरे की कीमत 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) @ रु.1000/माह। (3माह)	महीना	3	1000	3,000
प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	नहीं	2 बोतल	300	600
श्रम मजदूरी 88 दिन =(@ रु 300/दिन)= रु.26400	दिन	88	300	26400
बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 नं @ 90 रुपये प्रति बैग और गाड़ी सहित अन्य कच्चा माल	नहीं	250	90	22,500
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
यातायात भुगतान	-	-	-	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
कुल				58000
कुल उत्पादन किग्रा.	बटन मशरूम खाद			500 किलो 750 किग्रा

किलो में उत्पादन की बिक्री।	500 किलो @ 150 रुपये कम्पोस्ट 750 किग्रा @ ₹ 10	75000 7500
	कुल	82500
कुल लाभ	82500 - (1750+58000)	22750
सकल लाभ	कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया 22750 +(26400 + 3000)=	52150
चौथे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ के वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री- (मूल राशि + ब्याज + आवर्ती लागत) 82500 -(0+0+58000)		24500

आय	
प्रत्यक्ष आय	
(i) पहला चक्र ढींगरी मशरूम	(-)-20494
(ii) दूसरा चक्र ढींगरी मशरूम	(-)-14800
(iii) तीसरा चक्र बटन मशरूम	4606
(iv) चौथा चक्र बटन मशरूम	24500
कुल प्रत्यक्ष आय	-6188
अप्रत्यक्ष आय	
श्रम मजदूरी	
(i) पहला चक्र	26400
(ii) दूसरा चक्र	26400
(iii) तीसरा चक्र	26400
(iv) चौथा चक्र	26400
कुल	105600
कमरे का किराया	
(i) पहला चक्र	3000
(ii) दूसरा चक्र	3000
(iii) तीसरा चक्र	3000

(iv) चौथा चक्र	3000
कुल	12000
कुल अप्रत्यक्ष आय	117600
कुल आमदनी	111412

अर्थशास्त्र का सारांश

चारों चक्रों में उत्पादन की लागत

विशेष	राशि रुपये में
कुल आवर्ती लागत	
(i) पहला चक्र	
ढींगरी मशरूम	48500
(ii) दूसरा चक्र	
ढींगरी मशरूम	47000
(iii) तीसरा चक्र	
बटन मशरूम	58000
(iv) चौथा चक्र	
बटन मशरूम	58000
कुल	211500
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यहास मूल्य (वार्षिक)।	7000
ऋण पर 10% ब्याज	2894
कुल	221394

उत्पादन लागत का सार

विवरण	राशि (रु.)
आवर्ती लागत	211500
पूंजी पर 10% मूल्यहास मूल्य लागत	7000
ऋण पर 10% ब्याज	2894
कुल	221394

बिक्री मूल्य का आकलन

विवरण	इकाई	राशि (रु.)
आवर्ती लागत (221394/1800)	किलोग्राम	122
निश्चित लाभ 23%	किलोग्राम	28
कुल		150
बाजार कीमत	किलोग्राम	150

लाभ लागत विश्लेषण (वार्षिक)

विवरण	राशि (₹.)
पूँजीगत लागत पर 10% मूल्यहास (ए)	7000
आवर्ती लागत (बी)	
कमरे का किराया	12000
श्रम	105600
कम्पोस्ट बैग की कीमत	65000
फॉर्मेलिन	2400
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	9000
यातायात भुगतान	4000
विजली और पानी का उपयोग	12000
विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)	1500
कुल	211500
ढींगरी और बटन मशरूम का कुल उत्पादन	1800 किग्रा
ढींगरी और बटन मशरूम की बिक्री मूल्य	270000
खाद का बिक्री मूल्य	20000
कुल	290000
कुल लाभ = बिक्री मूल्य- (पूँजीगत लागत + आवर्ती लागत) =290000- (70975+211500)	7525
सकल लाभ = कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरा किराया =7525+105600+12000	125125
चार चक्र के बाद समूह के सदस्यों के बीच लाभ का वितरण = कुल लाभ - (मूल राशि + ब्याज + पांचवें चक्र के लिए आवर्ती लागत) =7525-(0+0+48500)	-40925

नोट:- इस राशि में लेबर वेज और रूम रेंट शामिल नहीं है।

उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि प्रत्येक सदस्य को 75 दिनों के चार चक्र पूरे करने के बाद कोई अतिरिक्त आय नहीं मिलेगी। 48500का समग्र लाभ निवेशित पांचवें चक्र स्टैंड की आवर्ती लागत के रूप में है।

निधियों के संसाधन और निधि की आवश्यकता

संसाधनों का विवरण	राशि रुपये में
70975की पूँजीगत लागत पर परियोजना का हिस्सा (75%)	53231
अब तक का मासिक योगदान	30484
बैंक से ऋण	22747
कुल	106462

एक लाखरूपए की राशि स्वयं सहायता समूह को बैंक से ऋण लेने के लिए परिक्रामी निधि के रूप में प्रदान की जाएगी।

पूँजीगत लागत का 50% हिस्सा परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

ऋण का 5% ब्याज परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

ब्रेक ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

ब्रेक ब्रेक-ईवन पॉइंट= पूँजीगत लागत/बिक्री/किग्रा.-आवर्ती लागत/किग्रा।

$$=70975/150 -122$$

$$=70975/28=2834\text{किग्रा}$$

2534किलो ढींगरी और बटन मशरूम की बिक्री के बाद नौ महीने के बाद ब्रेक ईवन प्वाइंट हासिल किया जा सकता है।

ऋण चुकौती अनुसूची (10% ब्याज) पर

S.no	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	ऋण शेष		
		मूल राशि	रुचि	कुल		मूल राशि	रुचि	कुल
	महीना-1	0	0	0	0	57000	475	57475
2	महीना-2	0	0	0	0	57475	479	57954
3	महीना-3	0	0		0	57954	483	58437
4	महीना-4	18563	1437	20000	20000	38437	320	38757
5	महीना-5	0	0	0	0	38757	322	39057
6	माह-6	0	0	0	0	39057	326	39383
7	महीना-7	19032	968	20000	20000	19405	162	19567
8	महीना-8	0	0	0	0	19567	163	19730
9	महीना-9	0	0	0	0	19730	164	19894
10	महीना-10	19405	489	19894	19894	0	0	0
11	कुल	57000	2894	59894	59894		2894	

टिपणी:

समूह का आगामी दृष्टिकोण अचार, रेडीमेड सूप, सूखे मशरूम आदि के रूप में मूल्य संवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है।

आपकी त्वचा, मस्तिष्क और हड्डियों के लिए आश्चर्यजनक मशरूम स्वास्थ्य लाभ

"उनमें सेलेनियम, पोटेशियम, तांबा, लोहा और फास्फोरस जैसे कई खनिज होते हैं जो अक्सर पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों में नहीं पाए जाते हैं"

1. मशरूम आपको युवा बनाए रखने में मदद करता है।
2. उम्र बढ़ने के साथ मशरूम आपके दिमाग की रक्षा करता है।
3. मशरूम आपकी याददाश्त को बढ़ा सकता है।
4. मशरूम आपके दिल के स्वास्थ्य में मदद कर सकता है।
5. मशरूम आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।
6. मशरूम आपको ऊर्जा देने में मदद करेगा।
7. मशरूम कई बीमारियों खासकर कैंसर से लड़ने में मदद करता है।

मशरूम की स्वादिष्टता विशेष व्यंजन, स्वादिष्ट, स्वस्थ और किफायती है।

टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधि आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मेसमीक्षा मिशनके समय लिया गया, कि एक व्यापार योजना में एक से अधिक गतिविधि सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।
वर्मीकल्चरजैविकखेतीकोबढ़ावा देनेमेंप्रमुखघटकहैऔरहिमाचलप्रदेशकीराज्यसरकारबड़ेपैमानेपरवर्मीकम्पोस्टके निर्माणपरविशेषजोरदे रही है।वर्मीकंपोस्टिंगप्रक्रियाकेचुओंकीमददसेकुछहीदिनोंमेंहमेंबहुतअच्छीगुणवत्तावाली खाददेती है।ये "खौफनाक-रेंगनेवाले"

जीवसबसेउपयोगीमालीहैं।वेमृतपौधोंकीसामग्रीऔरअन्यजैविककचरेकोतोड़तेहैं, पोषकतत्वोंकोरीसायकलकरतेहैंऔरमिट्टीकोपलटदेतेहैं।इसप्रक्रियाकेदौरानकीड़ेभीपुनः उत्पन्नहोतेहैं, औरउनकीआबादीलगभगदससप्ताहमेंकईगुनाबढ़जातीहै।खादतबतैयारहोतीहैजबसामग्रीमध्यमरूपसेढीलीऔरभुरभुरीहोतीहैऔरखादकारंगगहराभूराहोताहै।यहकाला, दानेदार, हल्काऔरह्यूमसयुक्तहोजाताहै।

हालकेदिनोंमें, वर्मीकम्पोस्टिंगसरलउत्पादनतकनीकों, इससेजुड़ेपारिस्थितिक,

आर्थिकऔरमानवस्वास्थ्यलाभोंकेकारणदेशमेंएकमजबूतआधारप्राप्तकर रहा है।विशेषरूपसेदेशकेदक्षिणीऔरमध्य भागोंमें, सरकारीसमर्थनकेतहत / गैर-सरकारीसंगठनों (एनजीओ) केतकनीकीमार्गदर्शनकेसाथ, उद्यमियोंद्वारामहत्वपूर्णसंख्यामेंवर्मीकम्पोस्टिंगइकाइयांस्थापितकीगईहैं।हिमाचलराज्यसरकारभीस्थानीयजन ताकोवर्मीकम्पोस्टिंगअपनानेकेलिएप्रोत्साहितकर रही हैऔरकिसानोंकोसब्सिडीप्रदानकर रही है।हिमाचलराज्यव नविभागभीक्षेत्रमेंवनीकरणगतिविधिकेलिएउगाईजारहीनर्सरीकेलिएखादप्रदानकरनेकेलिएइसतकनीककाउपयोग कर रहा है।

वर्मीकंपोस्टिंगकेप्रत्यक्षपर्यावरणीयऔरआर्थिकलाभहैंक्योंकियहस्थायीकृषिउत्पादनऔरकिसानोंकीआयमेंमहत्वपूर्णयोगदानदेताहै।कईएनजीओ, समुदायआधारितसंगठन (सीबीओ), स्वयंसहायतासमूह (एसएचजी), ट्रस्टआदिहैंजोअपनेस्थापितआर्थिकऔरपर्यावरणीयलाभोंकेकारणवर्मिकंपोस्टिंगप्रौद्योगिकीकोबढ़ावा देनेकेलिए ठोसप्रयासकर रहे हैं।

व्यवसाय योजना

आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन द्वारा

“जय माँ नैना देवी” मातास्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

अचार बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन “जय माँ नैना देवी”स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। यह आईजीए इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा प्रारंभ में गलगल, आंवला आदि का अचार और आंबला का चूर्ण बनाया जाएगा। यह गतिविधि इस समूह की कुछ महिलाओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय में की जाएगी। अचार बनाने की प्रक्रिया में लगभग 7 दिन लगते हैं। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पीसने, मिश्रण, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है। प्रारंभ में समूह गलगल और आंबलाके अचार का निर्माण करेगा। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ स्वयं सहायतासमूह महिलाओं द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- समूह गलगल, आंवला आदि का अचार बनाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय में की जाएगी।
- अचार बनाने की प्रक्रिया में लगभग 7 दिन लगते हैं।
- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पीसने, मिश्रण, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है।
- प्रारंभ में समूह मौसम के दौरान इलाके में उपलब्ध स्थानीय फलों के लिए प्रति माह 100 किलो अचार का निर्माण करेगा और अन्य उत्पाद भी बनाएगा जिसमें समान उत्पादन प्रक्रिया का उपयोग होता है।

उत्पादन योजना का विवरण

गलगल के अचार का उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	7दिन
आंवला अचार का उत्पादन चक्र (दिनों में)		7 दिन
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	:	जैसी ज़रूरत
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय सामग्री
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
गलगल के अचार के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलोग्राम)	::	50 किलो गलगल के अचार के लिए 40 किलो गलगल और 10 किलो मसाला चाहिए
आंवला के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलोग्राम)		50 किलो आंवला अचार के लिए 35 किलो आंवला और 15 किलो मसाला चाहिए
प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	50 किलो प्रत्येक

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनु क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	राशि प्रति किलो (रु.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन मासिक (किग्रा)
1	गलगल	किलोग्राम	महीने के	100	20	2000	125
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	25	150	3750	
1	आंवला	किलोग्राम	महीने के	100	30	3000	125
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	25	150	3750	

मार्केटिंग/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	बिलासपुर 22 कि० लों०, नौनी 12 कि० लों०, बहर्मुखर 7 कि० लों०, जुखाला 3 कि० लों०,
2	इकाई से दूरी	
3	बाजार में उत्पाद की मांग	
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य, स्थानीय होटल व्यवसायियों से उनकी मांग के लिए हर महीने संपर्क करेंगे और बाजार में मांग, खुदरा विक्रेता / थोक विक्रेता का चयन / सूची करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	“जय माँ नैना देवी” स्वयं सहायता समूहसदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद 0.5-1 किलोग्राम पैकेजिंग में

		बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	"जय माँ नैना देवी माता गलगल का अचार और चटनी"

स्वोट विश्लेषण

ताकत -

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है
- घर का बना, कम लागत

कमजोरी -

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
- अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा।

मौका -

- मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
- दुकानों फास्टफूड स्टालों, खुदराविक्रेताओं, थोकव्यापारी, कैंटीनरेस्तरां और रसोइयागृहिणियों में उच्च मांगबड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
- सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग।

खतरे / जोखिम -

- विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
- कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी।
- प्रतिस्पर्धी बाजार।
-

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समुह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा। (श्रम विभाग)

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात - कच्चे माल का संग्रह आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

ए।	पूंजी लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (₹.)	
1	ग्राइंडर मशीन (1-2 एचपी)	1	18000	18,000	
2	मिक्सर	2	4000	8,000	
3	सब्जी निर्जलीकरण	1	40000	40,000	
4	तोल मशीन	1	2000	2,000	
5	रसोईघर के उपकरण		लगभग	8000	
6	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी/रैक		लगभग	8000	
7	हाथ से संचालित जार सीलिंग मशीन	1	15000	15000	
8	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि	5	लगभग	1000	
	कुल पूंजीगत लागत (ए) =			1,00,000	
बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (₹.)
1	गलगल	किग्रा/माह	100	20	2000
2	कच्चा माल (मसाला)	किग्रा/माह	50	150	7500
3	आंवला	किग्रा/माह	100	30	3000
4	पैकेजिंग सामग्री	महीना	लगभग	5000	5000
5	परिवहन	महीना	1	1000	1000
6	अन्य (स्थिर, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	1000	1000
7	आचार के दो क्विंटल उत्पादन के लिए दो घंटे / दिन। 03 दिन के लिए पांच महिलाओं के कुल 30 घंटे जोकि 8 घंटे के हिसाब से श्रम लागत 04 दिन @ 300/- /दिन	दिन	04	300	1200

आवर्ती लागत				20700
-------------	--	--	--	-------

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	20700
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	10000
कुल	30700

गलगल के अचार का विक्रय मूल्य गणना(प्रति चक्र)		
विवरण	इकाई	राशि (रु.)
बनाने की कीमत	किलोग्राम	82.8
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	200

आंवला अचार के लिए बिक्री मूल्य गणना (प्रति चक्र)		
विवरण	इकाई	राशि (रु.)
बनाने की कीमत	किलोग्राम	143
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	200-300
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	240

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	10000
कुल आवर्ती लागत	9850
प्रति माह कुल उत्पादन गलगल का अचार (किलोग्राम)	125
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	200
आय सृजन (200*125)	25000
प्रति माह कुल उत्पादन आंवला अचार (किलो)	125
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	240
आय सृजन (240*125)	30000
शुद्ध लाभ	मासिक आधार पर 34300-
शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित्त आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान

कुल पूंजी लागत	100000	50000	50000
कुल आवर्ती लागत	20700	0	20700
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50,000	50,000	0
कुल	170700	100000	70700

ध्यान दें-

- पूंजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 50%
- आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह /सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित्त के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	<ul style="list-style-type: none"> • पूंजीगत लागत का 50% मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। 	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	<ul style="list-style-type: none"> • पूंजीगत लागत का 50% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। • स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत 	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन की लागत (प्रति किग्रा)

= 100000/ (200-82.80)

= 854 किलो

इस प्रक्रिया में 854 किलो आचार बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा।

आय के अन्य स्रोत:

ग्रामीणों/स्थानीय लोगों की गलगल, आवला, दाल, गेहूं, मक्का आदि पीसने से आय।

बैंक ऋण चुकौती - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 70975/-

आवर्ती लागत = 211500/-

मशरूम की खेती के लिए कुल = 282475/-

आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 100000/-

आवर्ती लागत = 20700/-

आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन परियोजना के लिए कुल = 120700/-

व्यवसाय योजनाका कुल योग रु. केवल /-17,743/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूँजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थीअंश दान	कुल लागत
1.	मशरूम की खेती	70,975/-	2,11500	17,743/-	53,231/-	282475
2.	आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन	1,00000/-	20,700/-	75,000	25,000/-	1,20,700
	कुल	170975	2,32200	92,743	78,231	4,03175

अनुसूचक

इस सब समूह के सदस्य ने आई जी गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है अपनी पारिवारिक व वित्तीय
 और अर्थव्यवस्था में सुधार और वी एफ डी एम के साथ समन्वय के लिए जो आई सी ए परिषदात्मक के द्वारा निर्देश के अनुसार समूह (मार्गदर्शक और
 उत्साह उत्पान) द्वारा चुना गया।
 सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र. संख्या	नाम	पद	वर्ग	उम्र	इत्यादि
1	बसाला देवी	उपधान	SC	49	Kumbar Devi
2	पक्का देवी	सचिव	SC	28	Bhusha Devi
3	अंजना कुमारी	सहायक	OBC	34	Anjana Kumari
4	मीरा देवी	सदस्य	OBC	47	मीरा देवी
5	रीता देवी	सदस्य	SC	32	Rita Devi
6	भार्या देवी	सदस्य	General		Bharya Devi
7	निर्मला देवी	सदस्य	SC	38	Nirmala Devi
8	आशा देवी	सदस्य	SC	50	आशा देवी
9	रमा देवी	सदस्य	SC	24	Rama Kumari
10	किरण देवी	सदस्य	SC	31	Kiran Devi
11	सीमा देवी	सदस्य	SC	35	Seema Devi
12	सुमन देवी	सदस्य	General	26	Suman Devi
13	निशा देवी	सदस्य	SC	26	निशा देवी
14	कान्ता देवी	सदस्य	SC	47	Kanta Devi
15	जय देवी	सदस्य	SC	42	जय देवी
16					

बिना *Lawana Devi* समूह
जय माँ मैना देवी म्यंग महायता समूह
श्रीव जंगल-इमेडा, डा. कन्दौर
सह. सहर, जिला बिलासपुर (हि.प्र.)
सचिव एवं महायता समूह *Lawana Devi*

Lawana Devi

बिलासपुर (H.P.)
सचिव एवं महायता समूह

सचिव एवं महायता समूह
Lawana Devi

सचिव एवं महायता समूह
Lawana Devi
जय माँ मैना देवी म्यंग महायता समूह
श्रीव जंगल-इमेडा, डा. कन्दौर
सह. सहर, जिला बिलासपुर (हि.प्र.)

प्रधान *Kanaka Devi*
जय माँ मैना देवी म्यंग महायता समूह
श्रीव जंगल-इमेडा, डा. कन्दौर
सह. सहर, जिला बिलासपुर (हि.प्र.)

सचिव एवं महायता समूह
Kanaka Devi

Kanaka Devi
President
V.F. JICA Forest
Bader, Dist. Bilaspur (H.P.)
प्रधान एवं राष्ट्रीय विज्ञान समिति

सचिव एवं महायता समूह
Kanaka Devi
जय माँ मैना देवी म्यंग महायता समूह

Kanaka Devi
Officer JICA Forestry Project,
Bilaspur (H.P.)